BSKC-131

Bachelor of Arts - Sanskrit (Multidisciplinary) (BAM)

Assignment for Janurary 2024 Session

पाठ्यक्रम – BSKC - 131
संस्कृत पद्य साहित्य

सत्रीय कार्य
(जनवरी–2024 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.के.सी.–131
संस्कृत पद्य साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

Bachelor of Arts - Sanskrit (Multidisciplinary)
(BAM)
Assignment for
Janurary 2024 Session
पाठ्यक्रम – **BSKC - 131**
संस्कृत पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC –131 / जनवरी–2024**

प्रिय छात्र / छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं । सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे ।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं । यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें ।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए ।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम / कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड : .....

दिनाँक : .....

<u>सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि</u>
जनवरी 2024 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर, 2024

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययनः सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए ।
2. अभ्यासः उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्प्णीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुतिः जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य
BSKC –131
संस्कृत पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC –131**
पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत पद्य साहित्य
सत्रीय कार्य : **BSKC –131 / जनवरी–24**

पूर्णांक : 100
नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

भाग–क

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न : –

1. अधोलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए– **15x3=45**

समूलघातमघ्नन्त : परान्नोद्यन्ति मानिनः ।
प्रध्वंसितान्धतमसस्तत्रोदाहरणं रवि : ।। ।

अथवा

तुल्येऽपराधे स्वर्भानुर्भानुमन्तं चिरेण यत्।
हिमांशुमाशु ग्रसते तन्म्रदिम्नः स्फुटं फलम्।।

(ख) सेना परिच्छदस्तस्य द्वयमेवार्थसाधनम् ।
शास्त्रेष्वकुण्ठिता बुद्धिर्मौर्वी धनुषि चातता।।

अथवा

मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम् ।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः

(ग) दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये।
स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे ।।

अथवा

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यशःसुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवता
विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं विद्याविहीनः पशुः।।

भाग– ख
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)
नोट : निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में लिखिए। 15 x 2 = 30

2. भगवान श्रीकृष्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

देवर्षि नारद का चरित्र–चित्रण कीजिए।

3. भारवि का परिचय और उनके शैलीगत वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।

अथवा

रघुवंश महाकाव्य के आधार पर 'रघुवंश' के कथासार को अपने शब्दों में लिखिए।

भाग–ग
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए। 5 x5=25

4. राजा राम का चरित्र–चित्रण कीजिए।

5. वैराग्यशतक का परिचय लिखिए।

6. भर्तृहरि का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

7. कालिदास के जीवनवृत्त लिखिए।

8. माघ के अनुसार प्रकृति का वर्णन कीजिए।

9. नीतिशतक ' के प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिए।

10. ''माघे सन्ति त्रयो गुणः'' को स्पष्ट कीजिए।